टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी (भाग–२)

मई – २०११ परीक्षा

विषय : हिंदी साहित्य का इतिहास (H-203)

दिनांक : २०/५/२०११ **कुलअंक : १००** **समय : दो २.०० से शाम.५.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का सामान्य परिचय दीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) आदिकालीन या वीरगाथाकालीन साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न २. अ) सगुण भक्तिसाहित्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए । **(२०)**

अथवा

ब) जायसी के साहित्य की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए प्रेमश्रयी शाखा की प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

प्रश्न ३. अ) 'रीतिकाल' को 'शृंगारकाल' भी कहा गया हक्इस उक्ति का समर्थन कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) रीतिकालीन सामान्य प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ४. अ) 'भारतेन्दुयुगीन नाटककार सभी तरह की विशेषताओं से संपन्न नाटककार रहे' प्रस्तुत विधान की पुष्टि कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) छायावाद की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए प्रमुख छायावादी कवियों का परिचय दीजिए।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। (२०)

१) आलोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल ।

२) साठोत्तरी कहानी ।

३) स्वातंत्र्योत्तर उपन्यासों के प्रकार ।

४) हिंदी गद्य की दृष्टि से यातायात के साधन आत्र प्रेस का महत्त्व ।